एक शांतिपूर्ण नए संसार में जीवन

एक शांतिपूर्ण नए संसार में जीवन

जब आप इस ट्रैक्ट पर के दृश्य को देखते हैं, आप में कौनसी भावनाएँ उत्पन्न होती हैं? वहाँ देखी शांति, खुशी और समृद्धि के लिए क्या आप का मन नहीं तरसता? बेशक तरसता होगा। पर क्या यह विश्वास करना कि ये परिस्थितियाँ कभी पृथ्वी पर अस्तित्व में होंगी, केवल एक सपना या अभिकल्पना है?

संभवतः अत्यधिक लोग ऐसे सोचते होंगे। आज की सच्चाइयाँ हैं युद्ध, अपराध, भूखमरी, बीमारी, बुढ़ापा—यदि कुछेक का ज़िक्र किया जाए। फिर भी आशा रखने का कारण है। भविष्य की ओर देखते हुए, बाइबल हमें '[परमेश्वर] की प्रतिज्ञा के अनुसार एक नए आकाश और नयी पृथ्वी' के बारे में बताती है, जिसकी 'हम आस देखते हैं' और "जिन में धार्मिकता बास करेगी।"—२ पतरस ३:१३; यशायाह ६५:१७.

बाइबल के अनुसार, ये "नए आकाश" और "नयी पृथ्वी," नए भौतिक आकाश या अक्षरशः नयी पृथ्वी नही हैं। प्राकृतिक पृथ्वी और आकाश सिद्ध बनाए गए थे, और बाइबल बताती है कि वे अनन्त काल तक रहेंगे। (भजन संहिता ८९:३६, ३७; १०४:५) "नई पृथ्वी," पृथ्वी पर जीनेवाले लोगों का धार्मिक समाज होगा, और "नए आकाश" सिद्ध स्वर्गीय राज्य, या शासन होगा, जो लोगों के इस पार्थिव समाज पर राज्य करेगा। पर क्या यह विश्वास करना यथार्थवादी है कि "नयी पृथ्वी," या शानदार नया संसार संभव है?

खैर, इस तथ्य पर गौर कीजिए कि ऐसी आदर्श परिस्थितियाँ इस पृथ्वी के लिए परमेश्वर के मूलभूत उद्देश्य के भाग थीं। उसने पहले मानवी दम्पत्ति को अदन के पार्थिव परादीस में रखा और उन्हें एक अद्‌भित कार्यभार दिया: "फलो–फूलो, और पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो।" (उत्पत्ति १:२८) जी हाँ, बच्चों को जन्म देना और अंततः उनके परादीस को सारी पृथ्वी में फैलाना, उनके लिए परमेश्वर का उद्देश्य था। हालाँकि उन्होंने

बाद में परमेश्वर की अवज्ञा करना चुन लिया, इस प्रकार अनन्त काल तक जीवित रहने के लिए अयोग्य साबित होते हुए भी, परमेश्वर का मूलभूत उद्देश्य नहीं बदला। और इसे एक नये संसार में अवश्य पूरा होना है।—यशायाह ५५:११.

वास्तव में, जब आप परमेश्वर के राज्य को आने के लिए माँगते हुए, 'हे हमारे पिता' या प्रभु की प्रार्थना करते हैं, आप उसके स्वर्गीय शासन को, पृथ्वी को दुष्टता से मुक्त करने और इस नए संसार के ऊपर राज्य करने के लिए प्रार्थना कह रहे हैं। (मत्ती ६:९, १०) और हम विश्वास कर सकते हैं कि परमेश्वर उस प्रार्थना का उत्तर देगा, क्योंकि उसका वचन प्रतिज्ञा करता है: "धर्मी लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे, और उस में सदा बसे रहेंगे।"—भजन संहिता ३७:२९.

परमेश्वर के नए संसार में जीवन

परमेश्वर ने अपने लोगों को पृथ्वी पर जिस अच्छाई का आनंद उठाने के लिए प्रारंभ में उद्देश्य किया था, उन सभी चीज़ों को पूरा करते हुए, परमेश्वर का राज्य अनुपमेय पार्थिव फायदे लाएगा। घृणा और पूर्वधारणा अस्तित्व में नहीं रहेंगे, और अंत में पृथ्वी पर हर कोई व्यक्ति दूसरे सभी व्यक्तियों का सच्चा दोस्त होगा। बाइबल में, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि वह 'पृथ्वी की छोर तक लड़ाइयों को मिटाएगा।' "एक जाति दूसरी जाति के विरुद्ध फिर तलवार न चलाएगी, न लोग भविष्य में युद्ध की विद्या सीखेंगे।"—भजन संहिता ४६:९; यशायाह २:४.

सारी पृथ्वी आखिरकार एक बगीचे जैसी परादीसीय अवस्था तक लायी जाएगी। बाइबल कहती है: "वीरान और निर्जल देश प्रफुल्लित होंगे, मरुभूमि मगन होकर केसर की नाईं फूलेगी . . . क्योंकि वीराने में जल के सोते फूट निकलेंगे और मरुभूमि में नदियाँ बहने लगेंगी; धूप से सूखी जमीन ताल बन जाएगी और सूखी भूमि में सोते फूटेंगे।"—यशायाह ३५:१, ६, ७.

परादीसीय पृथ्वी पर आनंदित होने का हर संभव कारण होगा। खाने की कमी के कारण लोग कभी भूखे नहीं रहेंगे। "भूमि स्वयं अपनी उपज देगी," बाइबल कहती है। (भजन संहिता ६७:६; ७२:१६) सभी उनके अपने परिश्रम के फल खाएंगे, जैसे हमारे सृष्टिकर्ता वचन देता है: "वे

निश्चय ही दाख की बारियाँ लगाकर उनका फल खाएंगे। ऐसा नहीं होगा कि . . . वे लगाएँ और दूसरा खाए।”—यशायाह ६५:२१, २२.

परमेश्वर के नए संसार में, लोग बड़े इमारतों या टूटे-फूटे बस्तियों में फिर जमघट नहीं होंगे, क्योंकि परमेश्वर ने उद्दिष्ट किया है: “वे निश्चय ही घर बनाकर उन में बसेंगे . . . ऐसा नहीं होगा कि वे बनाए और दूसरा बसे।” बाइबल यह भी प्रतिज्ञा करती है कि: “उनका परिश्रम व्यर्थ न होगा।” (यशायाह ६५:२१-२३) लोगों को उत्पादी, संतोषजनक काम होगा। जीवन उबाऊ नहीं होगा।

समय पर, परमेश्वर का राज्य अदन के बगीचे में पशु-पशु के बीच, पशुओं तथा मानवों के बीच जो शांतिमय संबंध विद्यमान थे, उनको पुनःस्थापित करेगा। बाइबल कहती है: “तब भेड़िया भेड़ के बच्चे के संग रहा करेगा और चीता बकरी के बच्चे के साथ बैठा करेगा, और बछड़ा और जवान सिंह और पाला पोसा हुआ बैल तीनों इकट्ठा रहेंगे; और एक छोटा लड़का उनकी अगुवाई करेगा।”—यशायाह ११:६-९; होशे २:१८.

ज़रा सोचिए, परादीसीय पृथ्वी में सारी बीमारियाँ और शारीरिक कमजोरियाँ भी ठीक की जाएंगी! परमेश्वर का शब्द हमें विश्वास दिलाता है: “कोई निवासी न कहेगा: ‘मैं रोगी हूँ।’” (यशायाह ३३:२४) “[परमेश्वर] उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा, और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी। पहिली बातें जाती रहीं।”—प्रकाशितवाक्य २१:४.

कैसे यह आप के लिए संभव है

धार्मिकता के उसके नए संसार में जीवन के बारे में, परमेश्वर के वचनों से बेशक आप का दिल भर आया होगा। और जब कि कुछेक ऐसे

आशीर्वादों का पूरा होना इतनी अच्छी बात समझते हैं, कि ये सच हो ही नहीं सकते, ये इतने अत्युत्तम नहीं कि वे हमारे प्रेममय सृष्टिकर्ता के हाथ से नहीं आ सकते।—भजन संहिता १४५:१६; मीका ४:४.

अलबत्ता, कुछ जरूरतें हैं जिन्हें पूरा करना होगा, अगर हमें पृथ्वी पर आनेवाले परादीस में अनंत काल तक जीना है। यीशु ने परमेश्वर को प्रार्थना में यह कहते हुए, एक प्रधान जरूरत दिखायी: “अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत, सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जानें।”—यूहन्ना १७:३.

इसलिए, अगर हमें सचमुच परमेश्वर के नए संसार में जीना हो, तो पहले हमें परमेश्वर की इच्छा सीखनी और फिर करनी पड़ेगी। क्योंकि यह एक तथ्य है: यह “संसार और उसकी अभिलाषाएँ दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा,” उन आशीर्वादों का हमेशा आनंद उठाने, जो हमारे प्रेममय सृष्टिकर्ता द्वारा बरसाए जाने वाले हैं।—१ यूहन्ना २:१७.

यदि अन्य प्रकार से सूचित न हो, तो सभी बाइबल उद्धरण अँग्रेज़ी भाषा के *न्यू वर्ल्ड ट्रांस्लेशन ऑफ द होली स्क्रिपचर्स्* से हैं।

© 1989 Watch Tower Bible and Tract Society. सर्वाधिकार सुरक्षित

सन् [illegible] में प्रकाशित